

**HINDI BOOKS**

| क्र. | कोड | पुस्तक का नाम                    | Rs  | संख्या | क्र. | कोड | पुस्तक का नाम                 | Rs | संख्या |
|------|-----|----------------------------------|-----|--------|------|-----|-------------------------------|----|--------|
| 1    | 101 | महाभारत और गीता सार              | 90  |        | 36   | 113 | श्रीमद्भगवद्गीता का सार       | 25 |        |
| 2    | 102 | एक अद्भुत जीवन कहानी-1           | 55  |        | 37   | 114 | शिव और शिवरात्रि              | 20 |        |
| 3    | 103 | एक अद्भुत जीवन कहानी-2           | 55  |        | 38   | 117 | सात्त्विक और योगयुक्त जीवन    | 20 |        |
| 4    | 104 | योग की विधि और सिद्धि            | 50  |        | 39   | 115 | बाल नैतिक शिक्षा              | 15 |        |
| 5    | 105 | ब्रह्मचर्य और काम विकार          | 50  |        | 40   | 116 | अच्छे बच्चे                   | 15 |        |
| 6    | 106 | साप्ताहिक पाठ्यक्रम              | 30  |        | 41   | 119 | परमात्मा का अवतरण             | 20 |        |
| 7    | 107 | दिव्यगुणों का गुलदस्ता           | 30  |        | 42   | 118 | धर्म कर्म और विज्ञान          | 15 |        |
| 8    | 108 | नैतिक शिक्षा चरित्र निर्माण      | 30  |        | 43   | 120 | मौत के बाद और पहले क्या ?     | 15 |        |
| 9    | 109 | कमलपुष्प सम पवित्र जीवन          | 30  |        | 44   | 121 | आत्मा के तीनों कालों की कहानी | 10 |        |
| 10   | 298 | सहज राज्योग चित्रावली            | 35  |        | 45   | 122 | परमात्मा कहाँ है ?            | 10 |        |
| 11   | 110 | पथ-प्रदर्शनी अंक                 | 20  |        | 46   | 123 | आत्मा परमात्मा की पहचान       | 10 |        |
| 12   | 111 | बच्चों के बाबा                   | 10  |        | 47   | 126 | कर्मों की गहन गति             | 10 |        |
| 13   | 143 | शिक्षा में नई दिशा               | 15  |        | 48   | 124 | सहज राज्योग निर्विकल्प समाधि  | 10 |        |
| 14   | 137 | व्यसन मुक्ति                     | 15  |        | 49   | 127 | संस्कार परिवर्तन              | 10 |        |
| 15   | 138 | सुस्वास्थ्य प्रदर्शनी अंक        | 15  |        | 50   | 128 | राज्योग शिविर प्रवचन माला     | 10 |        |
| 16   | 144 | शान्ति प्रदर्शनी अंक             | 15  |        | 51   | 129 | जीवन में सुख शान्ति कैसे ?    | 10 |        |
| 17   | 140 | श्रेष्ठ समाज का पुनर्निर्माण     | 15  |        | 52   | 130 | घर गृहस्थ में सहजयोग          | 10 |        |
| 18   | 141 | आध्यात्मिक सशक्तिकरण             | 15  |        | 53   | 151 | विद्यालय का संक्षिप्त परिचय   | 10 |        |
| 19   | 145 | महिला आध्यात्मिक सशक्तिकरण       | 15  |        | 54   | 131 | जीवन हीरे तुल्य कैसे बने ?    | 5  |        |
| 20   | 139 | विज्ञान और पर्यावरण              | 15  |        | 55   | 132 | सच्चा योगी जीवन               | 5  |        |
| 21   | 146 | ग्रामोत्थान मार्ग प्रदर्शिका     | 30  |        | 56   | 133 | सत्यनारायण की सच्ची कथा       | 5  |        |
| 22   | 282 | शाश्वत योगिक खेती (ग्राम विकास)  | 20  |        | 57   | 134 | सच्ची मन की शान्ति            | 5  |        |
| 23   | 283 | सम्पूर्ण ग्राम विकास (प्रदर्शनी) | 20  |        | 58   | 135 | विकारों पर विजय               | 5  |        |
| 24   | 290 | शुभ-यात्रा (प्रदर्शनी)           | 30  |        | 59   | 136 | परमात्मा का परिचय             | 5  |        |
| 25   | 142 | युवा विकास                       | 25  |        | 60   | 231 | ब्राह्मण जीवन हीरे तुल्य      | 12 |        |
| 26   | 256 | सफल यात्रा प्रदर्शनी             | 30  |        | 61   | 219 | दिव्य रत्नों का उपहार         | 20 |        |
| 27   | 340 | सहज राज्योग चित्र पदशनी          | 15  |        | 62   | 291 | बाप समान बनाने वाली शिक्षायें | 20 |        |
| 28   | 159 | कार्टून और कहावतें               | 100 |        | 63   | 229 | एक अनोखा अनुभव                | 15 |        |
| 29   | 227 | भाग्यविधाता (भाग - 1)            | 90  |        | 64   | 230 | एक अलौकिक जीवन कहानी          | 15 |        |
| 30   | 353 | भाग्यविधाता (भाग - 2)            | 90  |        | 65   | 147 | धन कमाओ, परन्तु कैसे ?        | 5  |        |
| 31   | 254 | प्रभु प्रेम के परवाने            | 100 |        | 66   | 148 | नारी, तू कल्याणी बन           | 5  |        |
| 32   | 281 | प्रभु रत्न (दादी प्रकाशमणी)      | 80  |        | 67   | 149 | युवा जागो और जगाओ             | 5  |        |
| 33   | 284 | आदि रत्न                         | 90  |        | 68   | 150 | विद्यार्थियों, इन्हें अपनाओ   | 5  |        |
| 34   | 285 | ईश्वरीय ज्ञान कोष (भाग - 1)      | 125 |        | 69   | 125 | आज की विचार                   | 6  |        |
| 35   | 286 | ईश्वरीय ज्ञान कोष (भाग - 2)      | 110 |        | 70   | 160 | तनाव मुक्त जीवन               | 6  |        |

**HINDI BOOKS**

| क्र. | कोड | पुस्तक का नाम               | Rs | संख्या | क्र. | कोड | पुस्तक का नाम                        | Rs  | संख्या |
|------|-----|-----------------------------|----|--------|------|-----|--------------------------------------|-----|--------|
| 71   | 257 | टू लेट                      | 6  |        | 110  | 162 | आध्यात्मिक एवं नैतिक मूल्य-२         | 60  |        |
| 72   | 153 | स्वास्थ्य के दस सुनहरे नियम | 6  |        | 111  | 164 | भारत के त्योहार (भाग-१)              | 80  |        |
| 73   | 215 | भगवान का साथी               | 30 |        | 112  | 165 | भारत के त्योहार (भाग-२)              | 80  |        |
| 74   | 166 | अव्यक्त शिक्षाओं का भण्डार  | 25 |        | 113  | 167 | सोलह कलाओं का विकास                  | 50  |        |
| 75   | 228 | विदेह अवस्था                | 25 |        | 114  | 163 | स्व-प्रबन्धन नेतृत्व                 | 50  |        |
| 76   | 220 | अमृतवेला                    | 25 |        | 115  | 216 | सम्पूर्ण पवित्रता                    | 50  |        |
| 77   | 233 | जमा का खाता                 | 20 |        | 116  | 223 | पवित्र-धन                            | 50  |        |
| 78   | 222 | कर्मातीत अवस्था             | 15 |        | 117  | 226 | मनोबल एवं मंसा सेवा                  | 60  |        |
| 79   | 258 | शुभ- भावना शुभ कामना        | 25 |        | 118  | 260 | बाप समान सम्पन्न और सम्पूर्ण         | 45  |        |
| 80   | 294 | कर्मयोगी फरिश्ता भवः        | 30 |        | 119  | 289 | वाह रे मैं ब्राह्मण आत्मा            | 50  |        |
| 81   | 255 | दादीजी के अमृत वचन          | 15 |        | 120  | 296 | परदादी के संग सुनहरी यादें           | 60  |        |
| 82   | 376 | योगी और पत्तिंत्र कैसे बने  | 15 |        | 121  | 297 | विज्ञों पर विजय                      | 35  |        |
| 83   | 356 | ऐसे थे ब्रह्मा बाबा         | 25 |        | 122  | 295 | प्रश्न आपके उत्तर दादीजी के          | 30  |        |
| 84   | 224 | नवयुग निर्माता              | 35 |        | 123  | 154 | ज्ञान-माला                           | 150 |        |
| 85   | 152 | निराकार का अवतरण            | 35 |        | 124  | 155 | ज्ञान-निधि                           | 100 |        |
| 86   | 225 | श्री-इन-वन                  | 20 |        | 125  | 156 | ज्ञान-प्रवाह                         | 90  |        |
| 87   | 241 | साइंस और साइलेंस (भाग-१)    | 15 |        | 126  | 288 | अमृत - संचय (भाग-१)                  | 60  |        |
| 88   | 351 | साइंस और साइलेंस (भाग-२)    | 8  |        | 127  | 300 | अमृत - संचय (भाग-२)                  | 60  |        |
| 89   | 240 | मुरली में आने वाली कहावतें  | 30 |        | 128  | 299 | वाह ड्रामा वाह                       | 20  |        |
| 90   | 248 | ईश्वरीय मत और मनुष्य मत     | 25 |        | 129  | 221 | चिन्तन को श्रेष्ठ बनाने वाले सुवाक्य | 30  |        |
| 91   | 218 | महिला सशक्तिकरण             | 25 |        | 130  | 352 | सत्यता                               | 30  |        |
| 92   | 243 | अमृत -संग्रह (भाग-१)        | 55 |        | 131  | 354 | आध्यात्म की ओर                       | 180 |        |
| 93   | 244 | अमृत -संग्रह (भाग-२)        | 55 |        | 132  | 355 | पुरुषोत्तम संगमयुग                   | 250 |        |
| 94   | 287 | वन्दे-मात्रम                | 90 |        | 133  | 358 | अद्भुत दिव्य अनुभूतियाँ              | 60  |        |
| 95   | 245 | दिव्य गीत (भाग-१)           | 50 |        | 134  | 357 | भाग्य लिखने की कलम - कर्म            | 15  |        |
| 96   | 246 | दिव्य गीत (भाग-२)           | 50 |        | 135  | 359 | मृत्यु भय पर विजय                    | 5   |        |
| 97   | 247 | दिव्य गीत (भाग-३)           | 50 |        | 136  | 368 | अमृत -संग्रह (भाग-३)                 | 60  |        |
| 98   | 217 | यज्ञमाता जगदम्बा सरस्वती    | 50 |        | 137  | 369 | शाश्वत यौगिक खेती - (भाग-२)          | 25  |        |
| 99   | 251 | ज्ञान-झनकार                 | 40 |        | 138  | 375 | ट्यक्टि एक ट्यक्टिंय अनेक            | 80  |        |
| 100  | 234 | ज्ञान-वीणा                  | 25 |        | 139  | 371 | ईश्वरीय ज्ञान कोष (भाग - ३)          | 100 |        |
| 101  | 232 | ज्ञान मंजुषा                | 40 |        | 140  | 372 | अनुभव गाथा                           | 75  |        |
| 102  | 259 | ज्ञान-संजीवनी               | 45 |        | 141  | 373 | राजयोग मेंटेशन कमेन्ट्री             | 5   |        |
| 103  | 235 | ज्ञान-सुधा - (भाग-१)        | 45 |        | 142  | 377 | सुगन्धित पुष्प                       | 10  |        |

|     |     |                              |     |  |     |     |                               |     |  |
|-----|-----|------------------------------|-----|--|-----|-----|-------------------------------|-----|--|
| 104 | 236 | ज्ञान-सुधा - (भाग-२)         | 45  |  | 143 | 374 | अट्यक्त संदेश                 | 200 |  |
| 105 | 237 | ज्ञान-सुधा - (भाग-३)         | 45  |  | 144 | 100 | सासाहिक पाठ्यक्रम परिचय-पत्र. | 20  |  |
| 106 | 238 | ज्ञान-सुधा - (भाग-४)         | 45  |  | 145 | 89  | गीता का भगवान कौन है ?        | 5   |  |
| 107 | 157 | अविनाशी नाटक (भाग-१)         | 65  |  | 146 | 305 | शिव संदेश (२.००)              | 2   |  |
| 108 | 158 | अविनाशी नाटक (भाग-२)         | 150 |  | 147 | 293 | शिव संदेश                     | 1   |  |
| 109 | 161 | आध्यात्मिक एवं नैतिक मूल्य-१ | 60  |  | 148 | 370 | सतयुग एवं संगमयुग             | 35  |  |